सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 8 • अंकः 82 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, मंगलवार, 26 अप्रैल, 2022

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

मनुष्य को दया कभी नहीं छोड़नी चाहिए क्योंकि दया ही धर्म का मूल है और इसके विपरीत अहंकार समस्त पापों की जड़ होता है।

-गोस्वामी तुलसीदासजी

मंत्री आवास पर शिक्षक अभ्यर्थियों... 8 | लोकसभा चुनाव के लिए दलित-मुस्लिम... 3 | ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक सुधार की... 7

महीनों जेल काटकर आए गायत्री प्रजापति के राइट हैंड की भाजपा में एंट्री किसने कराई!

गायत्री प्रजापति के खनन का सारा काम देखता था पिंटू सिंह

» पूरे यूपी में तूती बोलती थी पिंटू सिंह की

» खनन विभाग का छोटे से बड़ा अफसर फोन पर हाजिर रहता था पिंटू के

» बलात्कार का आरोप लगने के बाद महीनों जेल में रहा पिंटू सिंह

» ऐसे दागदार को भाजपा में शामिल कराने पर कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा सरकार में खनन मंत्री रहे दुष्कर्म के आरोपी गायत्री प्रजापति का राइट हैंड पिंटू सिंह एक बार फिर सुखियों में है। पिंटू सिंह ने हाल ही में भाजपा की सदस्यता ली है। पिंटू सिंह कैसे बीजेपी में शामिल हो गए, किसने उनकी एंट्री कराई, यह सवाल भाजपा के लोगों की ही समझ से परे है। हैरानी इस बात की है कि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष व योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह अपराधियों को पसंद नहीं करते हैं, बावजूद भ्रष्टाचारी व अपराधी पिंटू सिंह बीजेपी में शामिल हो गया। यही नहीं, बलात्कार का आरोप लगने के बाद पिंटू सिंह जेल भी जा चुका है। बीजेपी का बच्चा-बच्चा जानता है कि पिंटू क्या हैं और पिंटू बीजेपी में क्या है। ऐसे में गायत्री का राहट हैंड भाजपा नेता हो जाएगा तो सवाल तो उठेंगे। पिंटू सिंह के भाजपा में शामिल होने के बाद संगठन के एक तबके में भारी नाराजगी है। मगर पिंटू सिंह पर बड़े नेताओं की शह के चलते अंदरखाने सभी चुप हैं। गौरतलब है कि गायत्री प्रजापति रेप के आरोप में जेल में है। और जिस लड़की ने प्रजापति पर रेप का आरोप लगाया, उसी लड़की ने गायत्री के जेल जाने से पहले पिंटू सिंह को भी नामजद किया था। पिंटू भी गिरफ्तार हुए थे, लेकिन न्यायालय ने पिंटू को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। मगर धोखाधड़ी के एक और मामले में पिंटू बाबू फंस गए। कहने को पिंटू इतने बदनाम थे कि उत्तर प्रदेश में कि कोई जिला नहीं था, कोई ऐसा खनन अधिकारी नहीं था जो पिंटू नहीं जानता था। यह सब चीज जानने के बाद भी पिंटू बाबू बीजेपी में अजेस्ट हैं। एक बीजेपी नेता के जरिए उनकी एंट्री कराई गई, ज्वाइनिंग के समय बड़े-बड़े नेताओं के साथ फोटो खिंचाकर फोटो एफबी पर लगाकर आजकल पिंटू सिंह अपना भौकाल टाइट करने में लगे हुए हैं।

गायत्री प्रजापति के यहां पिंटू भइया का बजता था डंका

गायत्री प्रजापति सपा सरकार में बदनाम मंत्री थे। बिल्कुल गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाला व्यक्ति रातोंरात अरब पति बन गया था। उस समय अखिलेश सरकार पर बीजेपी ने सबसे ज्यादा हमला किया था तो वो गायत्री को लेकर किया था। गायत्री प्रजापति के खिलाफ जितना 4पीएम ने लिखा उतना शायद लखनऊ से किसी अखबार ने नहीं लिखा। उस समय गायत्री की पूरी कमान पिंटू सिंह के हाथों में थी। किसी भी जिले के खनन अधिकारी, खनन इंस्पेक्टर जो खनन का काम करते थे वो लोग सिर्फ एक नाम जाते थे पिंटू। पिंटू गायत्री की आत्मा बन गया था। देखते ही देखते करोड़पति बन गया था। माना जा रहा था कि किसी जिले में यदि ठेका लेना है तो पिंटू के पास जाइए। रकम तय करिए और ठेका ले लीजिए। पूरे सीएम आफिस से लेकर नीचे तक मुलायम सिंह यादव के घर पार्टी में कार्यालयों में और गायत्री के यहां डंका बजता था तो सिर्फ पिंटू भइया का।

बाबू सिंह कुशवाहा के करीबी रामचंद्र प्रधान की एंट्री भी चर्चा में

भाजपा में अकेले पिंटू ही नहीं, कई सारे ऐसे नाम हैं। बीजेपी की एमएलसी की लिस्ट जब सामने आयी थी तो एक नाम कुशवाहा के राइट हैंड का भी था। एक समय एनआरएचएम घोटाले में बाबू सिंह कुशवाहा का नाम भी आया था। उस समय जो हाल गायत्री का खनन में है। वहीं कुशवाहा का हेल्थ में था। मायावती सरकार में कुशवाहा की पर्ची पर लाखों-करोड़ों के लेन-देन हुआ करते थे। और बाबू सिंह की आत्मा उस समय रामचंद्र प्रधान हुआ करते थे जैसे गायत्री की आत्मा पिंटू है। कुशवाहा एक टाइम में बीजेपी में शामिल हुए तो सोशल मीडिया पर हल्ला मच गया कि जिस एनआरएचएम घोटाले का जिक्र करती है बीजेपी। उसी ने अभियुक्त को शामिल कैसे करा लिया, नतीजा यह हुआ कि बाबू सिंह कुशवाहा को तुरंत निकाल दिया गया पार्टी से लेकिन उनका राइट हैंड रामचंद्र प्रधान अजेस्ट हो गया।

अब 6 से 12 साल के बच्चों को भी लगेगी वैक्सीन

» डीसीजीआई ने आपातकालीन इस्तेमाल की दी मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अब 6 से 12 साल के बच्चों को भी कोरोना वैक्सीन की डोज दी जाएगी। ड्रग कंट्रोलर जनरल आफ इंडिया (डीसीजीआई) ने मंगलवार को इसकी मंजूरी दे दी। सूत्रों के अनुसार भारत बायोटेक की कोरोना वैक्सीन कोवैक्सीन की डोज बच्चों को दी जाएगी।

डीसीजीआई ने कुछ शर्तों के साथ 6 से 12 साल के आयु वर्ग के लिए भारत बायोटेक की कोविड-19 वैक्सीन, कोवैक्सीन को प्रतिबंधित आपातकालीन उपयोग की मंजूरी दे दी है। पिछले ही सप्ताह डीसीजीआई की विषय विशेषज्ञ समिति ने स्कूलों में बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए 6 से 12 सालों के बच्चों के लिए भारत बायोटेक की कोवेक्सीन की सिफारिश की थी। इस सिफारिश को अंतिम निर्णय के लिए डीसीजीआई के पास भेजा गया था।

लखीमपुर कांड: मंत्री पुत्र पर 10 मई को तय होंगे आरोप

» जीप से किसानों को कुचलने के मामले में है मुख्य आरोपी आशीष मिश्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र टेनी के बेटे आशीष मिश्र पर तिकुनिया हिंसा में आरोप तय होने को लेकर सुनवाई के लिए जज ने समय बढ़ा दिया है। अब अगली सुनवाई 10 मई को होगी। दोपहर एक बजे कोर्ट में पेशी हुई। बचाव पक्ष के वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिस पर अदालत ने सुनवाई की तारीख बढ़ा दी है।

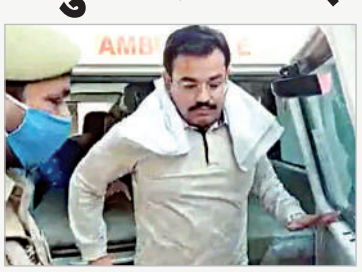

इससे पहले सुप्रीमकोर्ट के आदेश के बाद आशीष मिश्र ने बीते रविवार को सरेंडर किया था। यहां से उसे दोबारा जेल भेज दिया गया था। बता दें कि आशीष मिश्र ने खुद को निर्दोष बताते हुए आरोपों से अलग करने की अर्जी (डिस्चार्ज अप्लिकेशन) दी थी। इसमें साफतौर पर कहा गया है कि उसके खिलाफ कार्रवाई का कोई आधार नहीं है। अदालती पत्रावली में ऐसे कोई सबूत नहीं हैं, जिनके आधार पर उसके खिलाफ मुकदमा चलाया जा सके। इस पर अभियोजन को आपत्ति दाखिल करनी है। तिकुनिया हिंसा मामले के अन्य मुकदमे में कल यानी सोमवार को भी सुनवाई हुई थी। इसमें जिला जज ने अगली सुनवाई 9 मई तय की है। दो भाजपा कार्यकर्ताओं और एक ड्राइवर की मौत मामले में चार आरोपी जेल में हैं। इसी मामले में भी आरोप तय किये जाने हैं।

योगी सरकार ने कोरोना लहर की भयावहता से नहीं लिया कोई सबक : अखिलेश

» मुख्यमंत्री की बैठकों का नहीं दिखता कोई जमीनी असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण फिर दस्तक दे रहा है। विशेषज्ञ चौथी लहर की आशंका जता रहे हैं। जून-जुलाई में संक्रमण का पीक आ सकता है। भाजपा सरकार ने लगता है पिछले कोरोना लहर की भयावहता से कोई सबक नहीं लिया। अखिलेश ने कहा, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को देखते हुए दहशत के हालात बनने के आसार हैं। मुख्यमंत्री की बैठकों का जमीन पर कोई असर नहीं दिखता है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार ने कोरोना के प्रकोप में जनता को पिछले साल अनाथ छोड़ दिया था। लॉकडाउन में भी जनता को बुरे दिन देखने पड़े थे। भाजपा सरकार स्थिति की समीक्षा की नौटंकी कर रही है।

वह ऐसा जता रही है जैसे कि अभी सत्ता में आई है जबकि यह तो निरंतरता की सरकार है। पिछले दिनों भी यही सरकार थी और मुख्यमंत्री भी वही हैं। अस्पतालों में न पर्याप्त डाक्टर हैं और न ही दवाओं का समुचित प्रबंध है। सच तो यह है कि भाजपा सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कानून व्यवस्था के सभी मोर्चों पर पहले से भी ज्यादा विफल साबित हो रही है। सरकार ने जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया है। बता दें कि समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल 28 अप्रैल को प्रतापगढ़ जाएगा। प्रतिनिधिमंडल यहां नदी में डूबने से मो. सलीम व जावेद की मृत्यु तथा बिजली से जलकर घायल हुए राजकुमार गौड़ उर्फ पिंटू को देखने जाएगा। प्रतापगढ़ में चार बच्चों की सड़क दुर्घटना में हुई मौत तथा विधानसभा क्षेत्र सदर के कोहकौर बाजार में गैस सिलेंडर फटने से तीन लोगों की हुई मौत की जानकारी भी यह प्रतिनिधिमंडल लेगा।

अखिलेश को झटका देने की तैयारी में आजम खां

सपा के दिग्गज नेता आजम खां ने शिवपाल यादव के बाद अब सीतापुर जेल में कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम से भी मुलाकात की है। यह मुलाकात इसलिए अहम है क्योंकि एक दिन पहले ही आजम ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर अखिलेश की ओर से भेजे गए नेताओं से मिलने से इनकार कर दिया था। अब कांग्रेस नेता से मुलाकात करके आजम खां ने सीतापुर जेल से अखिलेश को 24 घंटे के भीतर डबल झटका दिया है। अटकलें हैं कि आजम जल्द ही शिवपाल यादव के साथ किसी नए मोर्चे का ऐलान कर सकते हैं। बगावत का झंडा लेकर चल रहे शिवपाल ने आजम से सीतापुर जेल में जाकर मुलाकात की तो इसके बाद डैमेज कंट्रोल मोड में जुटे अखिलेश ने भी अपने दूत भेज दिए। लेकिन सपा अध्यक्ष को उस समय बड़ा झटका लगा जब आजम ने उनके दूतों को यह कहकर लौटा दिया कि तबीयत ठीक नहीं है।

यात्रा की तैयारियों को परखने केदारनाथ पहुंचे सीएम धामी

» मुख्यमंत्री यात्रा की तैयारी पर बनाए हुए हैं लगातार नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में केदारनाथ यात्रा की तैयारी जोरशोर से चल रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खुद इस ऐतिहासिक यात्रा की तैयारी पर नजर बनाए हुए हैं। सीएम धामी ने कहा कि बर्फबारी के बाद अब केदारनाथ में विकास कार्य फिर से शुरू होने का समय है और यह सुचारू रूप से हो, इसके लिए मैं वहां जा रहा हूं। हमने यात्रा की तैयारी कर ली है और बुकिंग की संख्या को देखते हुए कहा जा सकता है कि यात्रा ऐतिहासिक होगी।

सीएम धामी आगामी 6 मई से शुरू होने वाली केदारनाथ यात्रा को लेकर भी प्रशासन विभागीय अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री सिद्धपीठ कालीमठ पहुंचकर आराध्य मां काली के दर्शन भी करेंगे। पुनर्निर्माण कार्यों का जायजा भी लेंगे। साथ ही प्रशासन व कार्यदायी संस्थाओं से भी चल रहे कार्यों की जानकारी लेंगे। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने केदारनाथ यात्रा को अपनी विशेष प्राथमिकता बताते हुए कहा कि यात्रियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, वह स्वयं यात्रा मार्ग का निरीक्षण करेंगे। यात्रियों के दबाव को केदारनाथ धाम में कैसे कम किया जाए, इसके लिए संतुलित कार्ययोजना बनाई जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि केदारनाथ यात्रा के लिए सिरोहबगड़ से नगरासू और रुद्रप्रयाग से गौरीकुंड तक हाईवे को चाक-चौबंद किया जाएगा।

लापरवाही बरतने पर मऊ व आजमगढ़ के जेई को एके शर्मा ने किया सस्पेंड

» ऊर्जा मंत्री ने लगाई पूर्वांचल डिस्काम के एमडी को फटकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की बिजली व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए ऊर्जा मंत्री एके शर्मा एक्शन में आ गए हैं। उन्होंने पूर्वांचल डिस्काम की समीक्षा में कहा कि अधिकारियों की लचर कार्यशैली एवं कार्य के प्रति लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपभोक्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों की शिकायतों तथा शासन एवं सरकार के निर्देशों को गंभीरता से न लेने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ने उपभोक्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों की शिकायतों पर पूर्वांचल डिस्काम के प्रबंध निदेशक विद्या भूषण को कड़ी फटकार भी लगाई। उन्होंने लापरवाही की शिकायत पर मऊ व आजमगढ़ के जेई निलंबित करने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने पूर्वांचल डिस्काम की

बिजली व्यवस्था की वास्तविकता जानने एवं इसमें सुधार के लिए अधिकारियों के साथ वर्चुअल समीक्षा में लापरवाह अधिकारियों के ट्रांसफर करने तथा शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई न करने वालों पर सख्त कार्रवाई के भी निर्देश दिए। उन्होंने मऊ एवं आजमगढ़ के अधीक्षण अभियंता को बिजली आपूर्ति ठीक तरीके से न करने पर चेतावनी भी दी। उन्हें जमीनी स्तर पर कार्य करने के लिए क्षेत्र में भ्रमण करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपभोक्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों से भी बिजली की वास्तविक स्थिति के संबंध में जानकारी लेने एवं इसमें सुधार के लिए उनके सुझाव भी लिए। उन्होंने शेड्यूल के अनुरूप बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों व कर्मचारियों के कार्यों तथा बिजली व्यवस्था की निगरानी के लिए अधीक्षण या फिर अधिशासी अभियंता स्तर के अधिकारियों की मोबाइल टीम बनाने एवं इसकी निगरानी जीपीआरएस से करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सब स्टेशन स्तर पर क्षतिग्रस्त उपकरणों की मरम्मत की योजना बनाने तथा समस्याओं का शीघ्र समाधान हो इस पर कार्य किया जाए।

राजपत्रित अधिकारी विद्यालयों को लें गोद : मुख्य सचिव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने सभी मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों को आदेश दिया है कि वे खुद व उनके अधीनस्थ सभी राजपत्रित अधिकारी परिषदीय प्राथमिक स्कूलों को गोद लें, जिससे उनका योगदान आपरेशन कायाकल्प को मिले, ताकि स्कूलों का स्वरूप व परिवेश में बदलाव हो। बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित कक्षा एक से आठ तक के विद्यालयों में छात्र-छात्राओं का अधिकाधिक नामांकन कराने के लिए स्कूल चलो अभियान शुरू है।

मुख्यमंत्री योगी श्रावस्ती जिले से इसका शुभारंभ कर चुके हैं। जिलों के सांसद, मंत्री विधायक व जनप्रतिनिधियों से स्कूल गोद लेने की अपेक्षा मुख्यमंत्री कर चुके हैं। इस समय विद्यालयों को आपरेशन कायाकल्प के तहत विभिन्न मानकों से संतृप्त किया जा रहा है, ताकि उनका परिवेश आकर्षक बने। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को भेजे पत्र में लिखा कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराए जाने के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशकों के साथ बैठकें करके नियमित रूप से समीक्षा करें। यह भी निर्देश दिया है कि गोद लेने वाले विद्यालयों में विभिन्न अवस्थापना सुविधाओं का सृजन व विकास में अपेक्षित योगदान देते हुए विद्यालयों को सुंदर बनवाएं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

अवैध लाउड स्पीकर हटाने को लेकर चलेगा अभियान, मंडलायुक्त देंगे मामले की रिपोर्ट

» एसीएस होम अवनीश अवस्थी ने जारी किए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश के अलग-अलग राज्यों में हो रहे लाउड स्पीकर विवाद के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने भी सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी की ओर से दिशा निर्देश जारी कर कहा गया है कि धार्मिक स्थलों पर लगे अवैध लाउडस्पीकर को हटवाया जाए और 30 अप्रैल तक इसकी रिपोर्ट मंडलायुक्त व पुलिस आयुक्त शासन को उपलब्ध कराएं। अवनीश अवस्थी की ओर से जारी आदेश में पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि विभिन्न क्षेत्रों के लिए तय मानक का अनुपालन कराया जाए और कार्रवाई से उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को अवगत कराया जाए।

उन्होंने कहा कि इसके लिए धर्म गुरुओं से संवाद व समन्वय के आधार पर अवैध लाउडस्पीकरों को हटवाया जाए और जो वैध हैं उनका निर्धारित मानक के अनुरूप वैल्यूम सुनिश्चित कराया जाए। अवस्थी ने कहा कि कई जिलों में इसका अनुपालन हुआ है, लेकिन कई जिले ऐसे भी हैं जहां इसका कड़ाई से पालन कराए जाने की जरूरत है। उन्होंने 10 मार्च 2018 और 4 जनवरी 2018 के शासनादेशों का हवाला देते हुए कहा है कि नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जाए। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने बताया कि किस क्षेत्र में लाउडस्पीकर की आवाज कितनी हो सकती है। इसके मानक ध्वनि प्रदूषण नियम 2000 में निर्धारित हैं। इसके तहत इंडस्ट्रियल एरिया में दिन में 75 डीबी और रात में 70 डीबी, कामर्शियल एरिया में दिन में 65 डीबी और रात में 55 डीबी, रेजीडेंशियल एरिया में दिन में 55 डीबी और रात में 45 डीबी और साइलेंस जोन में दिन में 50 डीबी और रात में 40 डीबी वैल्यूम के साथ लाउडस्पीकर बजाए जा सकते हैं।

नियमों का पालन न करने वालों की थानेवार सूची बनेगी

अपर मुख्य सचिव ने कहा है कि ऐसे धर्मस्थलों की थानेवार सूची बनाई जाए जहां दिए गए नियमों व आदेशों का पालन नहीं हो रहा है। इसकी जिला स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा की जाए और पहली रिपोर्ट 30 अप्रैल तक मंडलायुक्त अपने अधीन जिलों की व पुलिस आयुक्त अपने कमिश्नरेट क्षेत्र की शासन को उपलब्ध कराएंगे।

लोकसभा चुनाव के लिए दलित-मुस्लिम गठजोड़ की मजबूती पर बसपा का फोकस

» बहुजन समाज पार्टी भांप रही दूसरे दलों के मुस्लिम नेताओं का गणित

» बसपा मुस्लिम वोट बैंक को साधने का कर रही प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 में है पर राजनीतिक दलों ने तैयारी शुरू कर दी है। लोकसभा चुनाव के लिए फिलहाल अभी पर्दे के पीछे की राजनीति चल रही है। यूपी चुनाव में करारी हार का सामना करने के बाद अब लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बसपा मुस्लिम वोट बैंक को साधने का प्रयास कर रही है। दूसरे दलों के मुस्लिम नेताओं का क्या रुख है, बसपा इस पर पैनी निगाह रखे है। जिस तरह से सपा नेता आजम खां के मीडिया प्रभारी की ओर से नाराजगी जाहिर करने के बाद बसपा भविष्य की रणनीति का तानाबाना बुनने लगी है। पार्टी के थिंक टैंक का मानना है वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव तक मुस्लिमों को यह समझाने की पूरी कोशिश की जाए कि दलित और मुस्लिम मिलकर ही भाजपा की राह रोक सकते हैं।

दरअसल, आजम खां के मीडिया प्रभारी फसाहत अली खां शानू ने हाल ही में सपा पर हमला बोलते हुए कहा था कि सपा ने आजम के लिए एक भी प्रदर्शन नहीं गया। अब तो कमजोर की परिभाषा ही मुसलमान है। शानू के इस तरह हमलावर होने के बाद यह कयास लगाया जाने लगा कि आजम खां कहीं सपा छोड़ तो नहीं रहे। उधर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ मनमुटाव के बीच प्रसपा संस्थापक शिवपाल यादव ने आजम खां से जेल में मुलाकात की। उन्होंने भी सीधा बड़ा बयान दिया कि मुलायम और अखिलेश ने आजम को जेल से छुड़वाने का प्रयास ही नहीं किया। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी भी आजम के परिवार से रामपुर जाकर मिले। इन सारे मामलों की कड़ी एक साथ जोड़कर बसपा अपना गुणाभाग कर रही है। बसपा मुखिया मायावती जानती है कि अगर दलित मुस्लिम को अपने पाले में कर लिया जाए तो लोकसभा चुनाव में अच्छी खासी सीटें मिल सकती है। साथ ही अगले विधानसभा चुनाव में भी इसका फायदा मिल सकता है। इसी के तहत मायावती मुस्लिमों नेताओं के प्रति नरम रुख अख्तियार कर रही है, ताकि चुनाव के समय इसका सीधा फायदा बसपा को मिल सके।

यूपी चुनाव में बीएसपी वोट भाजपा के खाते में चला गया

यूपी के विधानसभा चुनाव में नतीजों की समीक्षा में यूं तो कई चौंकाने वाली बातें सामने आयी हैं पर सबसे खास बात ये है कि बीएसपी की चुनावी स्ट्रैटेजी और प्रत्याशियों के चयन ने समाजवादी पार्टी के परम्परागत मुस्लिम-यादव फैक्टर को कुछ सीटों पर कमजोर कर दिया। दरअसल, जब प्रत्याशियों की घोषणा हो रही थी। उसी समय बीएसपी के मुस्लिम प्रत्याशियों की संख्या चर्चा में आ गयी थी। बहुजन समाज पार्टी ने 122 सीटों पर ऐसे प्रत्याशी मैदान में उतारे जो उस सीट पर सपा के प्रत्याशी की जाति के ही थे। ऐसे प्रत्याशियों में 91 मुस्लिम प्रत्याशी जबकि 15 यादव प्रत्याशी थे। हालांकि बीएसपी के ऐसे प्रत्याशियों की वजह से वोट बंटा और इसका लाभ बीजेपी को मिला। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीएसपी वोट भाजपा के खाते में चला गया। मायावती यह वोट वापस पाने के लिए लगातार मंथन कर रही है। ताकि लोकसभा चुनाव में बीएसपी का वोट न बंटे।

रामपुर की सियासत पर पैनी नजर

पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि मुस्लिमों ने पूरी तरह से एकतरफा वोट इस बार सपा को किया, पर सपा सरकार नहीं बना सकी। यह बात मुस्लिमों को समझानी होगी कि जब तक वे दूसरे मजबूतवर्ग के साथ नहीं आएंगे तब तक बात नहीं बनेगी। बसपाइयों का मानना है कि किसी भी तरह से दलित और मुस्लिम समीकरण बन जाए। मुस्लिम यह मान लें कि बसपा के साथ जुड़ने से ही वह भाजपा की राह को रोक सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो बसपा फिर से उठ खड़ी हो सकती है। यही कारण है कि आलाकमान ने रामपुर की सियासत पर पैनी नजर गड़ाई है। वहां अपनी टीम को सक्रिय किया है और कहा है कि देखें कि क्या वास्तव में आजम समर्थक सपा से नाराज हैं? भीतर ही भीतर क्या चल रहा है? इसके अलावा सपा के अन्य मुस्लिम नेताओं तथा कांग्रेस व रालोद के मुस्लिम नेताओं पर भी बसपा की नजर है। सारा खेल वर्ष 2024 के चुनाव की तैयारियों को लेकर है।

उपचुनाव के लिए आजमगढ़ के दौरे कर रहे निरहुआ

हिंदी सिनेमा के कॉमेडियन राजपाल यादव और भोजपुरी सिनेमा के अभिनेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने उनके सरकारी आवास पर पहुंचे। इस दौरान सीएम योगी ने दोनों दिग्गज एक्टर्स को श्रीराम की प्रतिमा और तस्वीर भेंट की। बताया जा रहा है कि इस दौरान निरहुआ ने सीएम योगी को आजमगढ़ शहर के विकास के लिए मास्टर प्लान से संबंधित ज्ञापन सौंपा। दिनेश लाल यादव ने ट्वीट कर बताया कि उन्होंने आजमगढ़ के विकास के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने सीएम को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें जल निकासी, सड़कों के चौड़ीकरण, पुरानी जेल की ज़मीन पर पार्क, मिनी शॉपिंग सेंटर, मल्टी लेवल पार्किंग जैसे मुद्दों से उन्हें अवगत कराया गया है। दरअसल दिनेश लाल यादव लगातार आजमगढ़ के दौरे पर है। उनकी यहां से उपचुनाव लड़ने की इच्छा है। इसीलिए यहां की जनसमस्याओं से जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री को अवगत कराते रहते है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अगर उन्हें उपचुनाव के मैदान में उतारा तो वे चुनाव लड़ेंगे।

भाजपा के लिए खतरे की घंटी बना उत्तराखंड का उपचुनाव

» चंपावत उपचुनाव में सीएम धामी की जीत का रोड़ा बनेगी कांग्रेस

» धामी की जीत के लिए भाजपा ने पूर्व विधायक के साथ मिलकर बनाया मास्टर प्लान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड का उपचुनाव भाजपा के लिए खतरे की घंटी बन गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को हर हाल में यह उपचुनाव जीतना होगा, तभी वे अपनी कुर्सी बचा पाएंगे। इसी क्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चंपावत सीट से उप चुनाव लड़ने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी है। इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष, उत्तराखंड मामलों के प्रभारी दुष्यंत गौतम, प्रदेश सहप्रभारी रेखा वर्मा और मुख्यमंत्री समेत अन्य प्रमुख नेताओं के साथ प्रदेश पार्टी अध्यक्ष मदन कौशिक ने एक बैठक की।

इस बैठक के बाद कौशिक ने बताया कि धामी को चंपावत से बड़े अंतर से जिताने के लिए रूपरेखा तैयार कर ली गयी है। वहीं सीएम धामी की जीत में कांग्रेस रोड़ा बन गई है। कांग्रेस सीएम धामी के खिलाफ कद्दावर नेता को मैदान में उतारेगी, ताकि भाजपा से यह सीट छीन सके। साथ ही सीएम धामी को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़े। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि चंपावत उप चुनाव के लिए पार्टी ने प्रदेश सहप्रभारी रेखा वर्मा की अध्यक्षता में एक टीम गठित की गई है, जिसके संयोजक धामी के लिए सीट छोड़ने वाले पूर्व विधायक कैलाश गहतोड़ी होंगे। बैठक में प्रदेश की उन 23 सीट की भी समीक्षा की गयी जिन पर भाजपा को फरवरी में विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा को प्रदेश की 70 में से 47 सीट पर जीत हासिल हुई थी। कौशिक ने कहा कि पिछले एक माह में सरकार द्वारा किए गए अच्छे कामों के बारे में लोगों को बताने के लिए मई में 15 दिनों का जनसंपर्क अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

धामी को खटीमा से मिली थी हार

विधानसभा चुनाव में खटीमा में मिली पराजय के बाद धामी को मुख्यमंत्री बने रहने के लिए शपथ ग्रहण करने के छह माह के भीतर उपचुनाव लड़कर विधानसभा का सदस्य बनना होगा। जबकि गहतोड़ी के चंपावत सीट से त्यागपत्र देने के बाद मुख्यमंत्री का वहां से उपचुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया। हालांकि अभी उपचुनाव की घोषणा नहीं हुई है।

पुष्कर सिंह धामी के लिए विधायकी छोड़ने वाले कैलाश गहतोड़ी को मिल सकता है इनाम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के लिए विधायकी छोड़ने वाले कैलाश गहतोड़ी को कोई ओहदा मिल सकता है, ऐसी सियासी चर्चाएं हैं। 22 साल के उत्तराखंड में चार विधायकों ने सीएम के लिए विधानसभा सीट छोड़ी और सभी की राजनीतिक ताकत पहले से ज्यादा बढ़ी। चुनाव नतीजा आने के बाद चंपावत के विधायक कैलाश गहतोड़ी ने मुख्यमंत्री के लिए अपनी सीट छोड़ने का प्रस्ताव रखा और पार्टी आलाकमान की हरी झंडी के बाद 21 अप्रैल को गहतोड़ी ने बाकायदा विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफा भी दे दिया। सियासी जानकार मान रहे हैं कि विधायकी छोड़ने के बाद कैलाश गहतोड़ी का राजनीतिक ग्राफ ऊंचा होगा। इस कारण यह है कि साल 2002 से अब तक मुख्यमंत्री के लिए जितने भी विधायकों ने इस्तीफा दिया है, उनमें से सभी को पार्टी और सरकार ने सम्मान दिया। इस्तीफा देने वाले तीन विधायकों को दर्जा मंत्री और एक विधायक को सांसद बनाया गया है।

बड़ी जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी कार्यकर्ता जुट जाएं

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संतोष ने पार्टी के प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ चम्पावत उपचुनाव के संबंध में चर्चा की। साथ ही निर्देश दिए कि यहां से बड़ी जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी कार्यकर्ता जुट जाएं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने चम्पावत उपचुनाव के लिए चुनाव संचालन समिति की घोषणा की। पूर्व विधायक कैलाश गहतोड़ी को चुनाव संयोजक का जिम्मा सौंपा गया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बढ़ानी होगी महिला वर्ग की सहभागिता

संवैधानिक रूप से पंचायती राज व्यवस्था 24 अप्रैल 1993 से पूरे देश में लागू है। 73वें संविधान संशोधन के बाद संविधान के अनुच्छेद 243 (डी) (3) एवं (4) के अनुसार प्रत्येक पंचायत में प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा भरे जाने वाले स्थानों की कुल संख्या के कम से कम एक-तिहाई स्थान (जिनके अंतर्गत अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की स्त्रियों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या भी है) स्त्रियों के लिए आरक्षित (एकल पद सहित) रहेंगे। 33 फीसदी आरक्षण मिलने के बाद पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका और भागीदारी बढ़ी है।

भारत की पंचायतीराज व्यवस्था 30वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है पर सच्चाई ये है कि महिला के आरक्षित पद पर जीते महिला जनप्रतिनिधि के पति, परिवार के दबंग पुरुष उस पद पर डी फैक्टो आसीन हो कर राज कर रहे हैं। किसी भी महिला के जीतने पर लोग उस महिला को कम बल्कि उसके पति, पुत्र, पिता, ससुर को अधिक बधाई देते हैं। आप ने सुना होगा कि फलां की घरवाली या वाइफ जीत गई। महिला जन प्रतिनधियों की हालत ये है कि पंचायतराज अधिनियम के विपरीत सरकारी बैठकों में भी महिला जन प्रतिनधि की जगह उनके पति या परिवार के पुरुष बैठक में और कामकाज में दखलंदाजी भी करते हैं। ऐसे में केवल कानून बनाने से कुछ नहीं होगा बल्कि महिला वर्ग की सहभागिता बढ़ानी होगी। महिला जन प्रतिनिधि को आत्मनिर्भर बनना चाहिए, पहले घर के निर्णय में भागीदारी की लड़ाई लड़े। चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए, तभी सही अर्थ में महिला सशक्तीकरण एवं ग्रामीण लोकतंत्र मजबूत व सुदृढ़ होगा। साथ साथ समाज व व्यवस्था को महिला के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलना होगा। इक्कीसवीं शताब्दी एवं वैश्वीकरण की इस दौड़ में महिलाएं, पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। हमें सामाजिक परिवर्तन करना होगा। महिला जन प्रतिनिधयों को अपनी पहचान एवं धमक का एहसास कराना होगा। इसके लिए पति या ससुर के नाम की कोई जरूरत नहीं होनी चाहिए। कई पंचायतों में महिला मुखिया ने बहुत अच्छा कार्य किया है। हिमाचल के काजा पूर्व पंचायत की प्रधान सोनम डोलमा ने जुआं व ताश पर प्रतिबंध लगाया, ये देश के अन्य पंचायतों के लिए एक अच्छा मॉडल हो सकता है। बिहार के सीतामढ़ी जिले के सोनबरसा प्रखंड में सिंहवाहिनी पंचायत की पूर्व मुखिया ऋतु जायसवाल ने भी ने अच्छी पहचान बनाई है।

लोकतंत्र में पंचायत विकास की पहली सीढ़ी है। संवैधानिक रूप से पंचायती राज व्यवस्था 24 अप्रैल 1993 से पूरे देश में लागू है। 73वें संविधान संशोधन के बाद, संविधान के अनुच्छेद 243 (डी) (3) एवं (4) के अनुसार प्रत्येक पंचायत में प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा भरे जाने वाले स्थानों की कुल संख्या के कम से कम एक-तिहाई स्थान (जिनके अंतर्गत अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की स्त्रियों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या भी है) स्त्रियों के लिए आरक्षित (एकल पद सहित) रहेंगे। 33 फीसदी आरक्षण मिलने के बाद पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका और भागीदारी बढ़ी है। देश के सभी राज्य (केवल उत्तर प्रदेश, मणिपुर, गोवा, अरुणाचल प्रदेश एवं 5 केंद्र शासित प्रदेश को छोड़कर) में महिला आरक्षण को 33 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया गया है। देश में करीब 660 जिला पंचायतों, 6900 माध्यमिक पंचायतों, 2.6 लाख ग्राम पंचायतों में 32 लाख से अधिक निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं, जिसमें से 46 फीसदी महिला प्रतिनिधि हैं, जो सत्ता में महिला के हिस्सेदारी को दर्शाती हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मुसलमानों के अधिकारों की लड़ाई क्या हिंदू लड़ेगा?

श्रवण गर्ग

हुकूमत अगर बहुसंख्यक वर्ग के कट्टरपंथी दंगाइयों के साथ खड़ी नजर आती हो तो लोकतंत्र और अल्पसंख्यकों की रक्षा की जिम्मेदारी किसे निभानी चाहिए? असगर वजाहत जाने माने उपन्यासकार, नाटककार और कहानीकार हैं। उनके प्रसिद्ध नाटक 'जिन लाहौर नई वेख्या,ओ जन्मयाई नई' (1990)का दुनिया के कई देशों में मंचन हो चुका है। हाल में घटी साम्प्रदायिक हिंसा की घटनाओं के सिलसिले में असगर ने 'हिंदू-मुसलिम सद्भावना और एकता के लिए कुछ विचारणीय बिंदु' शीर्षक से बहस के लिए एक महत्वपूर्ण नोट फेसबुक पेज पर शेयर किया है। नोट में उल्लेखित दस बिंदुओं में बहस के लिहाज से दो बिंदु ज्यादा महत्व के हैं पहला और अंतिम। अपने पहले बिंदु में असगर कहते हैं कि मुस्लिम समुदाय के लिए यह मानना और उसके अनुसार काम करना बहुत आवश्यक है कि देश में लोकतंत्र मुसलमानों के कारण नहीं बल्कि हिंदू बहुमत के कारण स्थापित है और हिंदू बहुमत ही उसे मजबूत बनाएगा। इसलिए अल्पसंख्यकों के अधिकारों की कोई लोकतांत्रिक लड़ाई सेकुलर और डेमोक्रेटिक हिंदुओं का साथ लिए बिना नहीं लड़ी जा सकती। असगर अपने दसवें या अंतिम बिंदु में कहते हैं कि सम्भ्रांत मुसलिम समुदाय और साधारण गरीब मुसलमानों के बीच एक बहुत बड़ी दीवार है जिसे तोड़ना जरूरी है। पिछले सात-आठ साल या उसके भी पीछे जाना हो तो गुजरात में हुए साम्प्रदायिक दंगों की घटनाओं ने इस भ्रम को तोड़ दिया या कमजोर कर दिया है कि देश में आजादी के जमाने जैसी सेकुलर और डेमोक्रेटिक हिंदुओं की ऐसी कोई जमात बची हुई है जो हर तरह के अल्पसंख्यकों (जिनमें दलितों को भी शामिल किया जा सकता है)के मानवीय अधिकारों की रक्षा के लिए किसी लोकतांत्रिक लड़ाई के लिए तैयार है। असगर जिन सेकुलर, डेमोक्रेटिक हिंदुओं की बात कर रहे हैं उनमें अधिकांश मुसलमानों के नुमाइंदों के तौर पर सम्भ्रांत मुसलिमों की ओर से और दलितों के प्रतिनिधियों के रूप में दलितों की तरफ से मंत्रिमंडलों में शामिल सुविधाभोगी पिछड़े नेताओं की तरह ही हो गए हैं। दिल्ली में जहांगीरपुरी (लगभग एक लाख आबादी)के छोटे से इलाके में जब गरीब मुसलमानों की बस्तियां उजाड़ी जातीं हैं तो राजधानी के कोई बाईस लाख मुसलमानों को बुलडोजरों की आवाज ही सुनाई नहीं पड़ती। डेमोक्रेटिक हिंदुओं का वहां इसलिए पता नहीं पड़ता कि सम्भ्रांत मुसलिमों की तरह ही वे भी अपनी जान जोखिम में डालने से बचना चाहते हैं। इस समाज में भी लगभग ऐसी ही है। साधारण गरीब मुसलमान का नेतृत्व भी कट्टरपंथी कर रहे हैं और असग़र जिसे 'हिंदू बहुमत' कहते हैं उसकी कमान भी कट्टरपंथियों की पकड़ में ही है। सेकुलर और डेमोक्रेटिक हिंदू तथा मुसलमान दोनों ही अपनी जमातों में अल्पसंख्यक हैं।

यह अवधारणा कि देश में लोकतंत्र हिंदू बहुमत के कारण स्थापित है और वही (हिंदू बहुमत) उसे मजबूत बनाएगा उस सच्चाई के सर्वथा विपरीत है जिसके कि हम एक नागरिक के तौर पर प्रत्यक्षदर्शी और एक सेकुलर तथा डेमोक्रेटिक हिंदू के रूप में अपराधी हैं। हम चुपचाप खड़े देख रहे हैं कि हिंदू बहुमत का उपयोग देश में लोकतंत्र को मजबूत करने के बजाय भारत

तरह के प्रसंगों में यह सच्चाई दोहराई जाती है कि दूसरे विश्वयुद्ध (1941-45) के दौरान जब हिटलर के नेतृत्व में कोई साठ लाख निर्दोष यहूदियों की जानें लीं जा रहीं थीं आठ करोड़ जर्मन नागरिक मौन दर्शक बने नरसंहार होता देख रहे थे। सितम्बर 2015 में यूपी के दादरी में मोहम्मद अखलाक की मॉब लिंचिंग और उसके बेटे दानिश की पिटाई से मौत के दौरान जो सेकुलर और डेमोक्रेटिक हिंदू-मुसलमान मूक दर्शक बने रहते हैं वे ही खरगोन और जहांगीरपुरी में भी आंखें चुराते हैं। जहांगीरपुरी में काफी कुछ तबाह हो जाने के बाद भी जब कोई वामपंथी महिला नेत्री वृंदा करात बुलडोजर के सामने अकेली खड़े होने का साहस दिखाती है तो पीड़ितों को कुछ उम्मीद बंधने लगती है।

असगर जब कहते हैं कि सम्भ्रांत और साधारण गरीब मुसलमानों के बीच एक बहुत बड़ी दीवार है तो वे यह कहने में संकोच करते हैं कि हालत बहुसंख्यक को एक हिंदू राष्ट्र घोषित करने के लिए किया जा रहा है। भाजपा की समझ में आ गया है कि मुसलमान और दलित जिन ताकतों को सेकुलर और डेमोक्रेटिक मानकर अपना वोट बेकार करते रहे हैं वे हकीकत में कभी मौजूद ही नहीं। चुनाव-दर-चुनाव प्राप्त होने वाले नतीजों में इस नकली सेकुलरिज्म का कलर उतरता गया। इसीलिए जब केसरिया बुलडोजर चलते हैं तो केवल वर्दीधारी पुलिस ही नजर आती है सेकुलरिस्ट या गांधीवादी नहीं। लोकतंत्र की लड़ाई अब उतनी सहज नहीं रही है जितनी कि असगर अपने सुझावों के जरिए बताना या बनाना चाह रहे हैं (मसलन : देश में एकता और शांति के महत्व और आवश्यकता पर एक बड़ा राष्ट्रीय सम्मेलन किया जाना चाहिए जिसमें अंतिम दिन दंगा-प्रभावित क्षेत्र में कैंडल मार्च निकाला जा सकता है।) । लड़ाई लम्बी चलने वाली है क्योंकि किन्ही विदेशी ताकतों के खिलाफ नहीं है। चूंकि हमारे बीच कोई महात्मा गांधी उपस्थित नहीं हैं।

बढ़ा हुआ किराया लेने में रोजाना होती है माथापच्ची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पेट्रोल-डीजल व सीएनजी के रेट आसमान छू रहे है। ऐसे में बढ़ा हुआ किराया लेने के लिए रोजाना लोगों से माथापच्ची करनी पड़ती है। बढ़ा हुआ किराया लोग नहीं देते, बल्कि बहसबाजी करते। पहले हमारा खर्चा चल जाता था लेकिन महंगाई इतनी हो गयी है कि घर का खर्चा चलाना मुश्किल हो गया है।

सुशील कुमार कहते हैं कि मैं ऑटो ड्राइवर हूं। सीएनजी का मूल्य बढ़ गया लेकिन किराया नहीं बढ़ा। किराया मांग लो तो लोग बहसबाजी करते हैं, सवाल जवाब करते हैं। इस समय प्रति किलोमीटर का किराया पांच रुपए है। पहले सीएनजी के रेट के मुताबिक किराया ठीक था लेकिन अब सीएनजी का रेट बढ़ गया है तो किराया लगभग 10 रुपए प्रति किलोमीटर होना चाहिए। घर का खर्च बहुत मुश्किल से चल पाता है।

आलोक शुक्ला बताते हैं कि मैं ओला गाड़ी चलाता हूं। सीएनजी के बढ़ते मूल्य के मुताबिक कोई किराया नहीं मिलता। हमने हड़ताल भी करी थी लेकिन उसका कोई फायदा नहीं हुआ, सिर्फ आश्वासन ही मिला। पहले हमारा खर्चा चल जाता था लेकिन महंगाई इतनी हो गयी है कि घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। पहले तो कुछ बचत भी थी लेकिन अब तो वो भी नहीं है, गाड़ी का मेंटेनेंस भी नहीं मिल पाता।

बबलू मिश्रा ने कहा कि मैं ऑटो चालक हूं। सीएनजी का रोजाना दाम बढ़ ही रहा है और किराया पुराने दामों पर चल रहा है। आठ साल पहले जो किराया था, वही आज भी है। हम सभी ऑटो चालक मजबूर हैं क्या करें समझ नहीं आता इस महंगाई के दौर में। रोज-रोज सवारी से हाय हाय होती है। वे बोलते है कि रोज तो हम इतने में जाते है बढ़ा के किराया क्यों दें।

धीरेंद्र सिंह ने कहा कि मैं ओला-ऊबर का चालक हूं। बहुत ज्यादा मूल्य बढ़ गया है और कंपनियां सवारियों का किराया बढ़ा नहीं रहीं हैं। यही सब परेशानियां हैं। कंपनी 25 प्रतिशत किराया काट कर देती है। हम जितना काम करते हैं कुछ सीएनजी कंपनियां काट लेती हैं और कुछ ये कंपनियां काट लेती हैं। हाल यह है कि भरी गैस के नाम पर लूट रहीं हैं। जैसे पहले मेरे सिलेंडर में 7 किलो गैस आती थी लेकिन अब ऐसा नहीं होता उसमें कभी नौ किलो तो कभी 10 किलो गैस भर जाती है। जब लिमिट 7 किलो की है तो 10 किलो गैस कैसे आ जाती है, ये समझ नहीं आता। सीएजनी के नाम पर लूट हो रही है।

मिराज अहमद बताते हैं कि मैं सीएनजी कार चलाता हूं। सभी कंपनी लूट रही हैं चालकों को चाहे ओला हो या उबर या फिर इन ड्राइवर हो। सीएनजी का रेट बढ़ गया लेकिन किराया नहीं बढ़ा। हमारे मुताबिक पैसा नहीं मिलता। इतनी गर्मी पड़ रही है कि सवारी बोलती है एसी चलाइए। अगर एसी चलेंगे तो सीएनजी ज्यादा खर्च होगी। हड़ताल करी था उसका हल नहीं निकला अब कभी जिंदगी में हड़ताल नहीं करूंगा। क्योंकि इसका कोई हल नहीं निकलने वाला, इतना भ्रष्टाचार है कि कोई फायदा नहीं होने वाला। सरकार को डीजल और पेट्रोल सस्ता कर देना चाहिए। जिस हिसाब से सीएनजी का दाम बढ़ा है उसी हिसाब से किराया बढ़ाना चाहिए। किराया पुराना वाला ही मिल रहा है और बिल नए नीति के मुताबिक बनता है, घोर अंधेर है। अबरार अहमद कहते हैं कि मैं ड्राइवर हूं। कंपनी ने थोड़ा सा मूल्य बढ़ाया है लेकिन जिस हिसाब से मिलना चाहिए, उस हिसाब से नहीं मिल रहा है। मेरी गुजारिश है कंपनी से कि उनका कमीशन है 30 प्रतिशत उसको घटा कर 15 कर दें। उनका कमीशन ज्यादा है। जैसे तैसे घर का खर्ची चल रहा है। हम तो रोज कुआं खोदते है और रोज पानी पीते हैं।

धर्मेंद्र सिंह बताते हैं कि सीएनजी का मूल्य बढ़ गया लेकिन उस मुताबिक कोई किराया नहीं बढ़ा। जो किराया मिलता है उसमें भी मिलते समय हाय हाय होती है। मेरे परिवार में 6 लोग हैं। बड़ी मुश्किल से घर का खर्च चलता है। हम सभी चालकों के पास मजबूरी है कि वाहन चलायेंगे नहीं तो करेंगे क्या।

ब्लड क्लॉटिंग से लेकर इम्यूनिटी बढ़ाने में कारगर है

ब्रोकली का जूस

ब्रोकली एक बेहद ही हेल्दी सब्जी की कैटेगरी में शामिल है, लेकिन आज भी अधिकतर लोग जितना फूलगोभी, पत्तागोभी का सेवन करते हैं, उतना ब्रोकली का नहीं करते हैं। आमतौर पर इसका इस्तेमाल सलाद, सूप, चाइनीज फूड में अधिक किया जाता है। कुछ लोग इस सब्जी को इसलिए भी नहीं खाते हैं, क्योंकि उन्हें इसका स्वाद पसंद नहीं आता है। खैर, आप चाहते हैं ब्रोकली का सेवन करना तो इसका जूस बनाकर पिएं। आप ब्रोकली के जूस में कई अन्य सब्जियों, फलों को मिलाकर भी तैयार कर सकते हैं, जिससे स्वाद के साथ-साथ इसकी पौष्टिकता, सेहत लाभ भी दोगुनी हो जाएगा। ब्रोकली का जूस पीने से क्या फायदे होते हैं, आइए जानते हैं यहां...

ब्लड क्लॉटिंग में करे मदद

लिवस्ट्रॉन्ग डॉट कॉम में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, 3/4 कप सर्विंग ब्रोकली के जूस में लगभग 185 मिलीग्राम विटामिन के होता है। यह वयस्कों के साथ ही प्रेग्नेंट और शिशु को स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए प्रतिदिन की जरूरतों के हिसाब से पर्याप्त है। विटामिन के को ब्लॉड क्लॉटिंग विटामिन के तौर पर भी जाना जाता है, क्योंकि यह खून को जमने में मदद करता है। इसके बिना, आप असामान्य रक्तस्राव से पीड़ित हो सकते हैं और घावों और चोटों से ठीक होने में कठिनाई हो सकती है। शरीर को कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करने के लिए विटामिन के की भी आवश्यकता होती है, जिससे यह हड्डियों और दांतों को मजबूत रखने में महत्वपूर्ण होता है।

बालों, आंखों, त्वचा को रखे हेल्दी

फोलेट को विटामिन बी-9 से भी जाना जाता है। यह डीएनए के निर्माण के लिए जरूरी विटामिन है। फोलेट प्रेग्नेंसी के साथ-साथ किशोरावस्था में तेजी से शरीर में होने वाले बदलावों के लिए बहुत जरूरी होता है। साथ ही यह दिमाग को सही तरीके से कार्य करने, संपूर्ण शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए भी जरूरी होता है। फोलेट आंखों, त्वचा, बालों, लिवर को हेल्दी रखता है। इम्यूनिटी को भी सपोर्ट करता है।

ब्रोकली के जूस में मौजूद पौषक तत्व

ब्रोकली में कई तरह के पौष्टिक तत्व मौजूद होते हैं जैसे ऊर्जा, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, आयरन, कॉपर, जिंक, बीटा कैरोटीन, विटामिन ए, ई, बी6, के आदि। वहीं, ब्रोकली का जूस आयरन, फोलेट, नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट राइबोफ्लेविन, विटामिन के आदि से भरपूर होता है।

बढ़ाता है हीमोग्लोबिन

ब्रोकली के जूस में आयरन काफी अधिक होता है। आयरन की जरूरत रक्त कोशिकाओं के निर्माण के लिए जरूरी होता है, ऐसे में यह एक बेहद ही महत्वपूर्ण मिनरल है। साथ ही आयरन हीमोग्लोबिन और माइयोग्लोबिन के निर्माण के लिए भी आवश्यक होता है। ये दोनों ही ऑक्सीजन को शरीर में प्रवाहित करने वाले प्रोटीन होते हैं। वयस्क पुरुषों और 50 वर्ष से अधिक उम्र वाली महिलाओं के लिए प्रतिदिन क्रमशः 8 मिलीग्राम और 51 मिलीग्राम आयरन की जरूरत होती है। 50 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं के लिए प्रतिदिन 18 मिलीग्राम आयरन की आवश्यकता होती है। ब्रोकली के जूस 3/4 कप ब्रोकली के जूस में लगभग 1।33 मिलीग्राम आयरन होता है, जो इन डेली जरूरतों का 17 और 7।4 प्रतिशत प्रदान करता है।

इम्यूनिटी करे बूस्ट

राइबोफ्लेविन विटामिन बी ग्रुप का सदस्य होता है, जिसे विटामिन बी-2 भी कहते हैं। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। शरीर के स्ट्रेस को बर्दाश्त करने की ताकत में सुधार करता है। साथ ही शरीर को फैट और प्रोटीन को प्रॉसेस करने में मदद करता है। फ्री रैडिकल्स उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं, जिससे हार्ट डिजीज, कैंसर के प्रति आप अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। 0.2 मिलीग्राम राइबोफ्लेविन प्रति 3/4-कप ब्रोकोली के जूस से प्राप्त होता है। इससे प्रतिदिन राइबोफ्लेविन 19 से 27 प्रतिशत के बीच प्राप्त होगा।

हंसना मना है

टिल्लू भगवान से: भगवान आपकी कृपा से मुझे रास्ते में 1000 रुपए मिल जाएं, तो मैं पक्का आपके चरणों में 500 रुपए चढ़ा दूंगा। कुछ दूर जाने पर टिल्लू को 500 रुपए का नोट मिला। **टिल्लू:** प्रभु आपको इतना भी भरोसा न था जो अपना हिस्सा पहले ही काट लिया।

दो दोस्त आपस में बात करते हुए... **शुभम:** लड़की जब फ्रेंड बनती है तो भले ही शादी वाली फीलिंग न आती हो, पर जब लड़की ब्लॉक करती है तो तलाक वाली फीलिंग जरूर आती है...

मोहित: ये बैंक से पैसा क्यों नहीं निकल रहा है? मैनेजर- बैंक में पैसे नहीं है... **मोहित:** क्यों नहीं है? जब भी आओ तो पैसे रहता ही नहीं है। **मैनेजर:** शांति से बात करो। **मोहित:** बुलाओ कहा है शांति आज उससे ही बात करती हूं!

दो दोस्त आपस में बात करते हुए... टीटू: आज सुबह मेरे मन में विचार आया... **शौंटी:** क्या...? **टीटू:** आज कुछ तूफ़ानी करते हैं, बस फिर क्या साइकिल निकाली और पेट्रोल भराने चले गए।

सचिन: बता रवि रोज बादाम खाने से क्या होता है ? **रवि:** एक तो बादाम खत्म होगा और दूसरा पैसा खर्च होगा...

पड़ोसन: ये जो मेरे खिड़की का कांच फोड़ा... वही तुम्हारा बेटा है न ? **रामू:** नहीं, वो जो तुम्हारे स्कूटी का हवा निकाल रहा है न, वो मेरा बेटा है।

कहानी — मम्मी-पापा का कहना मानो

सर्दियों का मौसम था। नन्हे खरगोश के घर को चारों ओर घास-फूस लगाकर गर्म रखा जाता था। रात होने वाली थी। नन्हे खरगोश के मम्मी-पापा ने उससे कहा, आ जाओ नन्हे, सो जाओ। रात होने वाली है और बाहर ठंड भी बहुत है। लेकिन मुझे नींद नहीं आ रही। मुझे बाहर जाकर खेलना है। नन्हे ने कहा। बेटा, कल सुबह खेल लेना। रात में बाहर जाओगे तो बीमार हो जाओगे। मम्मी ने उसे समझाया। मम्मी की बात मानकर नन्हे आकर लेट गया। लेकिन उसे जरा भी नींद नहीं आ रही थी। वह थोड़ी देर लेटा। फिर मम्मी-पापा से छिपकर बाहर आ गया और जंगल में घूमने निकल पड़ा। वह चलता जा रहा था। इस तरह कभी भी वह जंगल की ओर नहीं आया था। लेकिन वह रास्ता ध्यान से देख रहा था। मिट्टी में उसके पाँवों के छोटे-छोटे निशान बनते जा रहे थे। इनकी मदद से मैं घर वापिस पहुँच जाऊँगा, उसने सोचा। वह काफी दूर आ गया था। तभी जोर से आंधी चलने लगा। वापिस जाने का रास्ता उसके पाँवों के वो निशान ही बता सकते थे। लेकिन तेज आंधी ने इतनी धूल उड़ाई थी कि निशान मिट गए थे। वह घबराकर इधर-उधर भागने लगा। उसे समझ नहीं आ रहा थी कि क्या करें? नन्हे बहुत डर गया था। दौड़ते-दौड़ते उसने यह भी नहीं देखा कि आगे तालाब है। और फिर छपाक से तालाब में गिर गया। वह मदद के लिए चिल्लाने लगा। एक हिरण और उसका बच्चा वहाँ से जा रहे थे। उन्होंने नन्हे खरगोश को मुश्किल में देखा तो रुक गए। उन्होंने किसी तरह खरगोश को बाहर निकाला। वह ठंड से काँप रहा था। हिरन जल्दी से नन्हे को अपने घर ले गया। घर जाकर हिरण की मम्मी ने उसे अपनी गोद में लपेट लिया और दूध पीने को दिया। अब नन्हे को अच्छा लग रहा था। लेकिन उसको अब घर की याद आने लगी थी। हिरन ने उससे घर के बारे में पूछा तो नन्हे ने बताया कि उसे ठीक से पता नहीं है। इधर नन्हे की मम्मी-पापा परेशान थे कि नन्हे कहाँ गया। वे उसे ढूंढने निकल पड़े। हिरन भी नन्हे को लेकर जंगल में निकला। रस्ते में ही नन्हे के मम्मी-पापा उसे दूर से आते हुए दिखाई दिए। वे दौड़कर नन्हे के पास आए और उसे गले से लगा लिया। कहाँ चले गए थे तुम? मम्मी रो रही थी। ऐसे बिना बताए थोड़े ही जाते हैं। पापा बोले। नन्हे ने उनसे माफी माँगी। नन्हे के मम्मी-पापा ने हिरण को धन्यवाद दिया और नन्हे को साथ घर की ओर चल दिए।

11 अंतर खोजें

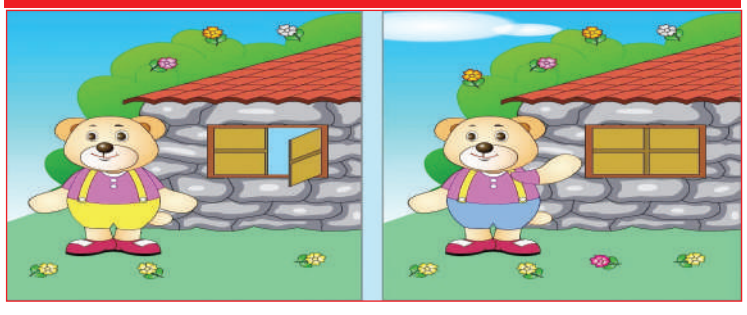

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। घर में कुछ बदलाव आपको काफी भावुक बना सकते हैं, लेकिन आप अपनी भावनाएं उनके सामने जाहिर करने में कामयाब रहेंगे जो आपके लिए खास हैं।

वृषभ

आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगा रहेगा। आज माता-पिता के साथ मंदिर में जाने का प्लान बना सकते हैं। कई दिनों से चली आ रही परेशानियां आज खत्म हो सकती है।

मिथुन

परिवार के लिए आज का दिन शुभ है। आत्म विश्वास में वृद्धि होगी। अत्यधिक उत्साहित रहेंगे। साहसी कार्य करने से बचें। मान सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कर्क

आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। अपने गरीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें उदास कर सकती हैं। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद खास रहेगा। दूसरे आपसे काफी ज्यादा समय की मांग कर सकते हैं।

सिंह

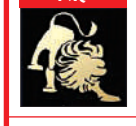

आज आपके रूके हुए कामों में आपके मित्र आपकी मदद करेंगे। आज आपके दुश्मन आपसे दूरियां बनाये रहेंगे। आज आपको किसी अपनों से खुशखबरी मिल सकती है। आज पैसे के मामले में आप उधार के देने-लेने से बचें।

कन्या

आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं। जल्दबाजी से निर्णय न लें। व्यापार व कारोबार के लिए विशेष परिश्रम करना पड़ेगा।

तुला

आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। अगर बातचीत और चर्चा आपके मुताबिक न हो, तो आप नाराजगी में कड़वी बातें कह सकते हैं जिन्हें लेकर बाद में आपको पछताना पड़ सकता है इसलिए भली-भांति सोचकर ही बोलें।

वृश्चिक

आज आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि वाले कवियों के लिए आज का दिन अत्यन्त महत्वपूर्णरहने वाला है। आज आपको अपनी प्रतिभाओं के लिए पुरस्कार भी मिल सकते है।

धनु

आज नए कार्य का शुभारंभ करने के लिए समय शुभ है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद खत्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। प्रिय व्यक्ति के साथ मिलाप होगा।

मकर

आज खास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।

कुम्भ

आज किस्मत आपके साथ कदम मिलाकर चलेगी। ऑफिस में आज काम इस राशि के बिजनेसमैन को लिए आज का दिन अधिक फायदा देने वाला है। अगर नया व्यापार शुरू करने की सोच रहे हैं तो आज का दिन शुभ है।

मीन

आज निर्णय न ले पाने के परिणाम स्वरूप नए कार्यों का प्रारंभ करना आपके लिए हितकर नहीं है। आज आप सम्बंधों में औपचारिकता रखिएगा नहीं तो मनमुटाव होने की संभावना है। मनोबल से सर्वकार्य पूरे होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

रिलेशनशिप ने मुझे सबसे अधिक चिड़चिड़ा और कड़वा बना दिया : विवेक ओबेराय

विवेक ओबेरॉय उन एक्टर्स में शुमार हैं जिन्होंने पहली ही फिल्म से बॉलीवुड में अपनी खास पहचान बनाई। उन्होंने करियर के शुरुआती दिनों में एक से बढ़कर फिल्में की। विवेक ओबेरॉय अपनी फिल्मों के अलावा लव लाइफ को लेकर भी लगातार चर्चा में रहते थे। कई एक्ट्रेसेस संग रिश्ते को लेकर तो वो लगातार सुर्खियों में रहे थे। कई एक्ट्रेस के साथ उनका रिश्ता हालांकि कम समय के लिए था लेकिन सुर्खियों में रहा था। विवेक ओबेरॉय का ब्रेकअप भी लगातार खबरों में बना रहा था। एक समय ऐसा भी आया था जब विवेक ओबेरॉय की कंट्रोवर्सियल लव लाइफ और बड़े सुपरस्टार के साथ पंगों की वजह से प्रोड्यूसर विवेक ओबेरॉय को फिल्म में काम देने से बचने लगे। विवेक के हाथों से कई बड़ी फिल्म भी निकल गई। अब सालों बाद एक्टर ने अपने कंट्रोवर्सियल लव लाइफ को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि लव लाइफ में खराब अनुभवों के बाद वो एक ऐसे मोड़ पर आ गए थे जब वो सिर्फ कैजुअल रिलेशनशिप में रहना चाहते थे। विवेक ओबेरॉय ने यहां तक कहा कि उन्होंने अपनी जिंदगी में जितनी लड़कियों को डेट किया उतना ही खुद को अकेला महसूस किया। पिंकविला को दिए इंटरव्यू में विवेक ओबेरॉय ने खुलकर अपनी लव लाइफ के बारे में बातें की। उन्होंने कहा, 'रिलेशनशिप में मैंने सबसे अधिक नीचा महसूस किया। इसने मुझे सबसे अधिक चिड़चिड़ा और कड़वा बना दिया। विवेक ओबेरॉय ने आगे कहा, 'ऐसा भी समय आ गया था जब मैं सिर्फ कैजुअल रिलेशनशिप में रहना चाहता था और मैंने ऐसा किया। इस दौरान मैंने जितना डेट किया उतना ही खुद को अकेला महसूस किया।

'केजीएफ 2' की आंधी में उड़ी शाहिद की फिल्म 'जर्सी'

सुपरस्टारडम की तरफ अपनी पिछली दो फिल्मों 'पद्मावत' और 'कबीर सिंह' से लौटने की कोशिश कर रहे अभिनेता शाहिद कपूर की हसरत बॉक्स ऑफिस पर पूरी होती नहीं दिख रही है। फिल्म ने रिलीज के पहले तीन दिनों में ही कन्नड़ फिल्म 'केजीएफ 2' के हिंदी डब संस्करण के आगे घुटने टेक दिए हैं। फिल्म के निर्माताओं को ही इस फिल्म पर भरोसा नहीं रहा है और इसी के चलते शाहिद कपूर, मृणाल ठाकुर और पंकज कपूर के बेहतरीन अभिनय से सजी इस फिल्म का प्रचार प्रसार ही ढंग से नही किया गया। यही नहीं, फिल्म जिन सिनेमाघरों में लगी है, वहां भी इसके शोज कायदे से होते नहीं दिख रहे हैं। फिल्म कारोबार के सूत्र बताते हैं कि शाहिद कपूर के फिल्म के शोज सिनेमाघरों में कम से कम रखने के पीछे भी एक योजना काम कर रही है।

दिग्गजों के बीच फंसी 'जर्सी'

हिंदी सिनेमा की रिलीज डेट्स पर फिल्म जगत के दिग्गजों का एकाधिकार शुरू से रहा है। बड़े बड़े प्रोडक्शन हाउस अपनी फिल्मों की रिलीज डेट साल साल भर पहले से फिक्स कर देते हैं। फिर छोटे निर्माताओं को उनके हिसाब से बीच बीच में खाली रह गए शुक्रवारों पर अपनी फिल्में फंसानी होती है। फिल्म 'जर्सी' की रिलीज की भी यही कहानी है। फिल्म इतनी बार आगे पीछे हुई है कि आम दर्शकों की फिल्म में रुचि ही जाती रही। 22 अप्रैल को फिल्म के सिनेमाघरों तक पहुंचने से पहले भी मुंबई शहर को छोड़ देश के बाकी दूसरे तमाम बड़े शहरों में इसका कहीं कोई खास प्रचार नहीं दिखा।

रविवार को नहीं बढ़ा कलेक्शन

शाहिद कपूर की पिछली फिल्म 'कबीर सिंह' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कारोबार किया था। फिल्म 'जर्सी' भी शाहिद कपूर के जबर्दस्त अभिनय से सजी फिल्म है लेकिन फिल्म की ओपनिंग घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ चार करोड़ रुपये की ही लगी। फिल्म की कमाई में शनिवार को अच्छा उछाल दिखा और फिल्म ने करीब 5.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन इस दिन करने में कामयाबी पाई लेकिन रविवार को फिल्म वहीं ठहरी रह गई। फिल्म के कलेक्शन में शनिवार के मुकाबले रविवार को बदलाव न होने का संदेश साफ है कि फिल्म में लोगों की दिलचस्पी नहीं बन पा रही है।

सिंगर सायली कांबले ने बॉयफ्रेंड धवल संग लिए सात फेरे

बॉलीवुड | मसाला

इंडियन आइडल 12 फेम सायली कांबले शादी के बंधन में बंध गई हैं। सिंगर ने 24 अप्रैल को बॉयफ्रेंड धवल संग सात फेरे लिए हैं। अब दोनों की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। कपल ने महाराष्ट्रीयन रीति-रिवाज से शादी की। अब हर कोई कपल को शादी की बधाइयां दे रहा है। सायली और धवल ने महाराष्ट्रीयन रीति-रिवाज से शादी की। फ्यूशिया पिंक बॉर्डर वाली पीली साड़ी में सायली बला की खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने साड़ी के साथ बैंगनी रंग की शॉल कैरी करके अपने ब्राइडल आउटफिट को कंप्लीट किया। साड़ी के साथ सायली के डबल लेयर नेकपीस, डिजाइनर कमरबंद और ग्रीन कलर की चूड़ियां उनके ब्राइडल लुक में चार चांद लगा रहे हैं। सायली के चेहरे पर दुल्हन वाला ग्लो साफ-साफ दिखाई दे रहा है। वहीं, धवल सफेद कुर्ता-पायजामा और मैचिंग पगड़ी में काफी स्मार्ट लग रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरें

सिंगर के फैन पेज ने उनकी शादी की कई तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट किए है। सायली कांबले ने अपनी इंस्टा स्टोरी में शादी की तसवीरें पोस्ट की है। शादी की कुछ वायरल फोटोज में सायली और धवल मंडप पर बैठकर शादी की रस्में पूरी करते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में दोनों एक दूजे के प्यार में डूबे नजर आ रहे हैं। दोनों एक दूसरे को काफी पहले से डेट कर रहे थे। करीब एक साल बाद इन दोनों ने शादी करने का फैसला किया।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे अद्भुत गांव

इस गांव में नहीं रहता कोई पुरुष, टूरिस्ट्स से होने वाली कमाई से महिलाओं का चलता है गुजारा

दुनियाभर में अजीबोगरीब चीजों की कमी नहीं है। जिनमें से बहुत सी चीजों के बारे में हम नहीं जानते, लेकिन धीरे-धीरे इनके बारे में पता चलने लगा है। आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें कोई पुरुष नहीं रहता, बावजूद इसके इस गांव में महिलाएं प्रेग्नेंट हो जाती हैं जबकि टूरिस्ट्स से होने वाली कमाई से ही यहां की महिलाओं का गुजारा चलता है। यहां पुरुषों के ना रहने की कहानी कोई एक या दो साल पुरानी नहीं है, बल्कि ये बात 27 साल पुरानी है।

दरअसल, अफ्रीका के घने जंगलों के बीच में एक ऐसा गांव बचा है। जो दुनियाभर के तमाम गांवों से अलग है। क्योंकि इस गांव के आसपास भी कोई पुरुष नहीं आ सकता। बता दें कि इस गांव के लोगों ने ऐसा क्यों किया इसके पीछे भी एक खास वजह है। साल 1990 में इस गांव को 15 ऐसी महिलाओं के रहने के लिए चुना गया, जिनके साथ ब्रिटिश जवानों ने रेप किया था।

जिसकी वजह से ही इस गांव में रेप, बाल विवाह, घरेलू हिंसा और खतना जैसी तमाम हिंसा झेलनी वाली महिलाओं ने इस गांव में पुरुषों के आने पर रोक लगा दी। बता दें कि अफ्रीका में सिंगल-सेक्स कम्युनिटी वाला ये अकेला गांव

है। ये एक छोटा सा गांव है लेकिन यहां पर करीब 250 महिलाएं अपने बच्चों के साथ रहती हैं। इस गांव में महिलाओं ने प्राइमरी स्कूल, कल्चरल सेंटर और सामबुरू नेशनल पार्क देखने आने वाले टूरिस्ट्स के लिए कैंपेन साइट भी चलाया है। जिसके बाद कई देशों से लोग इस गांव को देखने के लिए आते है, जिसकी इन महिलाओं ने फीस भी रखी है। टूरिस्ट्स से होने वाली कमाई से ही यहां की महिलाओं का गुजारा चलता है। इस गांव में मर्दों के आने पर प्रतिबंध लगने के बाद भी यहां पर रहने वाली महिलाएं गर्भवती होती है। इसके पीछ का राज यह है कि वे शारीरिक संबंध बनाने के लिए रात में गांव से बाहर चोरी छिपे जाती है। उसके बाद अपने पसंदीदा मर्द के साथ संबंध बनाती है इसीलिए यहां की महिलाएं गर्भवती हो जाती हैं।

यहां खूंखार कैदी अपने साथ जेल में रखते हैं चिड़िया अच्छे स्वभाव के लिए पक्षी के रूप में मिलता है इनाम

टीवी पर आपने जेल की स्थिति तो देखी ही होगी। मुमकिन है कि किसी से मिलने या किसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति जेल जाना भी पड़ा हो। ऐसे में आप जानते होंगे कि जेल की जिंदगी बेहद मुश्किल होती है। टीवी और फिल्मों में जेल के अंदर हंसते, मुस्कुराते और गाते लोग महज भ्रम है क्योंकि अंदर का जीवन मुश्किलों से भरा है। ऐसे में ब्रिटेन का जेल विभाव कैदियों की जिंदगी को कुछ हद तक सुधारने के लिए उन्हें साथ में चिड़िया रखने की अनुमति देता है। ब्रिटेन की ए कैटगरी के जेलों में सबसे खूंखार अपराधी रहते हैं। खूनी, रेपिस्ट, आतंकवादी जैसे अपराधियों को इस श्रेणि में रखा जाता है यानी वो जिनसे समाज को काफी नुकसान होता है। ऐसे कैदी अपने साथ चिकेन, तोते या अन्य खास तरह के पक्षी उनके साथ जेल में रह सकते हैं। जेलबर्ड्स को रखने के लिए गवर्नर तय करते हैं किन कैदियों को पक्षी रखने की इजाजत दी जाएगी। जिनको किसी तरह के थेरापी की जरूरत है, उन्हें जेल चिड़िया रखने दिया जाता है।

प्रशासन का मानना है कि चिड़िया रखने से कैदियों के अंदर जिम्मेदारी का भाव आता है और उन्हें जेल में वक्त बिताने में आसानी होती है। इस वजह से चिड़िया उन्हीं कैदियों को दी जाती हैं जो लंबे वक्त तक जेल में रहते हैं। इन कैदियों को लगभग 500 रुपयों में चिड़िया बेची जाती है और अगर वो उनका ठीक से ध्यान नहीं रखते हैं तो फिर उनसे वापस ले ली जाती है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार अगर इन कैदियों को एक जेल से दूसरे जेल भेजा भी जाता है तो वो अपने साथ चिड़िया नहीं ले जा सकते हैं। मेल ऑनलाइन की रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन की जेल में बंद अल-कायदा ऑपरेटिव धिरेन बरोट, पुलिस की हत्या करने वाले डेविड बीबर, मुज्जाकर शाह और यूसुफ जम्मा को चिड़िया रखने की इजाजत मिली है। मिनिस्ट्री ऑफ जस्टिस का कहना है कि कैदियों की मेंटल हेल्थ का ध्यान रखने के लिए ही उनके पास चिड़िया रखी जा रही है।

ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक सुधार की जरूरत : सीएम योगी

» रोस्टर के मुताबिक प्रदेश में बिजली आपूर्ति की जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भीषण गर्मी में बीते कुछ दिनों से कई क्षेत्रों में रोस्टर के अनुसार बिजली आपूर्ति होने को सरकार ने गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तमाम क्षेत्रों से शिड्यूल के अनुसार बिजली न मिलने की शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग और पावर कॉर्पोशन सभी क्षेत्रों में तय रोस्टर के अनुसार बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें और इसके लिए जो भी व्यवस्था जरूरी हो वह तत्काल की जाए।

उन्होंने पावर कॉर्पोशन को सख्त हिदायत दी कि इसमें किसी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक सुधार की जरूरत है। बकायेदारों से वसूली के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू करने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रदेश में गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली संकट गहराने लगा है। तमाम क्षेत्रों से बिजली कटौती की शिकायतें मिल रही हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग व पावर कॉर्पोशन के आला अधिकारियों की बैठक बुलाकर हालात की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आपूर्ति में सुधार के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि गर्मी में लोगों को बिजली की समस्या का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेज गर्मी व लू का मौसम चल रहा है। ऐसे में गांवों या शहरों में अनावश्यक बिजली कटौती न की जाए। जरूरत हो तो अतिरिक्त बिजली खरीदने की व्यवस्था की जाए। ट्रांसफार्मर जलने व तार गिरने जैसी दिक्कतों का बिना किसी विलंब के निस्तारण किया जाए। सीएम ने बिजली के झूलते लटकते बिजली तारों को चरणबद्ध तरीके से भूमिगत किए जाने पर जोर देते हुए कहा कि तारों का संजाल न केवल शहर की सुंदरता खराब करते हैं बल्कि आए दिन दुर्घटना का कारण भी बनते हैं। बिजली तारों के भूमिगत किए जाने के काम में और तेजी लाई जाए।

स्मार्ट मीटर लगाने के काम में तेजी लाएं

सीएम ने नगरों में स्मार्ट मीटर लगाने के काम में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन घरों में अब भी बिजली कनेक्शन नहीं है उन्हें पात्रता के अनुसार सौभाग्य योजना के तहत कनेक्शन दिया जाए। प्रदेश में हर गांव-हर घर बिजली पहुंचनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि बिजली आपूर्ति होती रहे इसके लिए समय से बिल का भुगतान जरूरी है। ऊर्जा विभाग व विद्युत निगमों को बिल के समयबद्ध संकलन के लिए ठोस प्रयास करना होगा। बकायेदारों से लगातार संपर्क और संवाद कर उन्हें बिल जमा करने के लिए प्रेरित किया जाए।

विश्वविद्यालय सिर्फ डिग्री बांटने का अड्डा नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विश्वविद्यालय डिग्री बांटने का अड्डा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से दशकों तक प्रदेश के विवि राजनीति का शिकार रहे और शिक्षा की गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया, पर अब ऐसा नहीं होगा। शिक्षा विभाग को माफिया से मुक्ति दिलाने का अभियान और कठोरता से जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों की समीक्षा के दौरान कहा कि मां शाकंभरी राज्य विवि सहारनपुर, राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विवि अलीगढ़ व महाराजा सुहेलदेव विवि आजमगढ़ को सरकार सभी सहयोग उपलब्ध कराएगी।

5 लाख का इनामी सभापति कोलकाता में गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रतापगढ़ के आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के रहने वाले सपा नेता सभापति यादव और उनके भाई को कोलकाता के सियालदाह स्टेशन से जीआरपी ने धर दबोचा। दोनों पर प्रतापगढ़ पुलिस ने 5-5 लाख का इनाम घोषित कर रखा था। दोनों आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर लाने के लिए प्रतापगढ़ से एक पुलिस टीम कोलकाता रवाना हो गई है।

बता दें कि पिछले साल अगस्त में ब्लॉक प्रमुख चुनाव के दौरान सभापति यादव और सुभाष यादव ने अपने दर्जनों समर्थकों के साथ हंगामा किया था और पुलिस पर भी पथराव किया था। तभी से दोनों भाई फरार चल रहे थे। पुलिस ने पहले दोनों पर ढाई-ढाई लाख रुपये का इनाम घोषित किया था लेकिन गिरफ्तारी न होने की वजह से इनाम की राशि बढ़ाकर पांच-पांच लाख रुपये कर दिया गया था। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने बताया कि पिछले शनिवार को सियालदाह रेलवे स्टेशन से जीआरपी ने दोनों फरार आरोपियों को धर दबोचा। दोनों को लाने के लिए पुलिस की एक टीम सियालदाह रवाना की गई है। उन्होंने बताया कि दोनों भाइयों पर गंभीर धाराओं में दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। बता दें कि दोनों की गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ को भी लगाया गया था, लेकिन वे लगातार चकमा देकर फरार थे। गौरतलब है कि आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के विनयका गांव निवासी सभापति यादव पूर्व ब्लॉक प्रमुख और पूर्व प्रमुख पति रहा है, जबकि उसका भाई सुभाष यादव पूर्व जिला पंचायत सदस्य रहा है। पुलिस के मुताबिक सभापति यादव पर 45 तो सुभाष यादव पर 28 मुकदमे दर्ज हैं।

चारबाग स्टेशन के पास से अतिक्रमण हटवाएं : हाईकोर्ट

» ट्रैफिक जाम होने से यात्रियों को होती है परेशानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने चारबाग रेलवे स्टेशन पर अतिक्रमण से लगने वाले ट्रैफिक जाम पर सख्त रुख दिखाया है। अदालत ने संबंधित अफसरों को स्टेशन के सामने सड़क से अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि जिलाधिकारी संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक करें और संयुक्त टीम बनाएं।

टीम से मौका मुआयना करवाकर अतिक्रमण हटवाएं, ताकि जाम से निजात मिल सके। अदालत ने इसके लिए एक समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर उस पर अमल करने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता आरसी पाठक की जनहित याचिका पर दिया है। याची का कहना था कि चारबाग रेलवे स्टेशन के पास नत्था तिराहे से निकलने वाली सड़क है। यहां से आलमबाग तक और नत्था तिराहा से दुर्गापुरी तक सड़क के दोनों तरफ काफी स्थायी व अस्थायी अतिक्रमण किए गए हैं। इससे वास्तविक उपयोग के लिए उपलब्ध सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है। इससे ट्रैफिक जाम होता है और यात्रियों को काफी परेशानी होती है। अदालत ने डीएम को सभी संबंधित अधिकारियों, पुलिस अधीक्षक (यातायात), नगर आयुक्त व लोक निर्माण विभाग के संबंधित अभियंता की बैठक आयोजित करने को कहा है। साथ ही कहा है कि उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल निगम के उचित स्तर के अधिकारी, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के उचित स्तर के अधिकारी और मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पूर्व रेलवे, लखनऊ याचिका में उठाए गए मुद्दों पर चर्चा करें।

यूपी में इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास को यूपीडा ने दी रफ्तार, अवनीश अवस्थी सम्मानित

» हुडको के 52वें स्थापना दिवस समारोह में यूपीडा को किया गया सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में हाउसिंग एंड अर्बन डेवलेपमेंट कारपोरेशन के 52वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश में संचालित विभिन्न एक्सप्रेसवे परियोजनाओं एवं डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के माध्यम से राज्य में इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास को रफ्तार देने में अहम भूमिका निभाने के लिए एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण को हुडको द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया है।

उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवेज को बनाने के लिए हुडको द्वारा वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराये जाते हैं, जिसकी सहायता से यूपीडा द्वारा एक्सप्रेसवेज हेतु भूमि क्रय की जाती है। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष में यूपीडा द्वारा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उद्घाटन बीते वर्ष 16 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किया गया। साथ ही निर्माणाधीन बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की कुल भौतिक प्रगति 92 प्रतिशत से अधिक पूर्ण हो चुकी है और शीघ्र ही इसके उद्घाटन किए जाने की भी योजना है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना का कार्य भी तीव्र गति से चल रहा है। साथ ही प्रदेश के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य प्रारम्भ करने की प्रक्रिया भी अपने अंतिम दौर में है। साथ ही यूपीडा द्वारा यूपी डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के सभी छह नोएडा, आगरा, अलीगढ़, कानपुर, झासी, चित्रकूट तथा लखनऊ को विकसित करने का कार्य भी तीव्र गति से चल रहा है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस एवं आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पूरी ने इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आवास और शहरी बुनियादी ढांचे के लिए विशेष रूप से समाज के गरीब और कमजोर वर्गों के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करने में हुडको का विशेष योगदान है।

जाति प्रथा एक दिन में नहीं खत्म हो सकती!

» परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने रखे अपने विचार कहा ऐसी घटनाएं रुकनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में एक बार फिर दबंगों ने एक दलित दूल्हे को घोड़ी नहीं चढ़ने दिया। दलित दूल्हा पुलिस में आरक्षक हैं। दबंगों से बचने के लिए खुद पुलिस के जवान को अपनी ही फोर्स बुलानी पड़ी। ऐसे में सवाल उठता हैं कि दलित सिर्फ वोट के लिए है क्या? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अजय शुक्ला, उमाशंकर दुबे, देव शामली, समीरात्मज मिश्रा, प्रो. रविकांत, प्रो. जितेंद्र मीना और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

प्रो. रविकांत ने कहा आजादी के बाद हर व्यक्ति को वोटिंग राइट का अधिकार है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से देश का नवनिर्माण हो रहा था। मगर इन दिनों अचानक बाधित हो रहा है और फिर से कुछ ताकतें और वर्चुस्वशाली तबके फिर से अपना एजेंडा खड़ा करने में लगे हैं। देव श्रीमाली ने कहा जो सामाजिक बदलाव होने चाहिए वो नहीं हो पाए है। मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड के इलाके में इस तरह की घटनाएं आम है। अभी भी जाति विशेष के मोहल्ले गांव से अलग होते हैं। घोड़ी से आपत्ति ये है कि एक सामंतवादी प्रवत्ति का प्रतीक है घोड़ी। अब जागीरदार प्रथा खत्म हो गई, जमीदारी प्रथा खत्म हो गई। वो अभी भी इसका प्रतीक बना कर बैठे है जो दुखद और दुर्भाग्यशाली बात है कि सामंतवाद नए-नए रूप में जिंदा हो रहा है। समीरात्मज मिश्र ने कहा कि सीआरपीएफ के जवान को इस तरह से प्रशासन की मदद लेने पड़ रही है। राजस्थान में एक आईपीएस को भी मदद लेनी पड़ी थी। संविधान में ऐसे बहुत से प्रावधान है, जिनमें इस तरह की चीजों को बहुत कठोरता के साथ रोका गया है। उमाशंकर दुबे ने कहा कि इस समय चुनाव नहीं है अगर चुनाव होता राजनीतिक दल इस मुद्दे को भी कैच करने की कोशिश करते। बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, लगता नहीं है किस समाज और किस दुनिया में हम रह रहे है। सरकार को इस पर सोचना चाहिए। अजय शुक्ला ने कहा कि जब जातिवाद होगा जाति के नाम पर वोट होगा सब वहीं देखेगे जहां से उनको ज्यादा फायदा होगा। जब तक जाति की बात आप सोचने लगेंगे, ये चीजे करने लगेंगे तो ऐसी स्थिति आएगी। जाति प्रथा एक दिन में नहीं खत्म हो सकती क्योंकि भारतीय संरचना ही पूरी-पूरी जाति पर आधारित है। लेकिन इसे खत्म करना चाहिए था। प्रो. जितेंद्र मीना ने कहा कि यह पहली घटना नहीं है। सिर्फ घोड़ी का ही मसला नहीं है। बहुत सारी चीजें इससे जुड़ी हुई है अभी जालौर में भी दलित दंपत्ति को मंदिर में घुसने से रोक दिया गया।

भर्ती की सूचना न देने वाली कंपनियों को नोटिस देने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रिक्तियों की अनिवार्य सूचना सेवायोजन कार्यालय को देने के नियमों के बावजूद कंपनियां सूचना देने में आनाकानी कर रही हैं। हालांकि सेवायोजन विभाग के पास मात्र नोटिस भेजने के अलावा कोई अधिकार न होने से अधिकारी कुछ नहीं कर पाते। इसी क्रम में सूचना न देने वाली एक दर्जन से अधिक कंपनियों को नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है। सहायक निदेशक सेवायोजन एके भारती ने बताया कि विभागीय कर्मचारियों को भी लगाया गया है जिससे वे कंपनियों से रिक्तियों की संख्या मांगें और मेले के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को नौकरी दी जा सके। इसी क्रम दो कंपनियों की ओर से 120 पदों के लिए रोजगार मेला लगाया गया। हाईस्कूल से स्नातक तक के युवाओं का साक्षात्कार सुबह से ही शुरू हो गया।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर टोल टैक्स देने को हो जाइए तैयार, प्रस्ताव पास

» योगी की कैबिनेट बैठक में नौ प्रस्ताव पास

» बेसिक शिक्षा विभाग के अनुदेशकों का अनुदान बढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने विकास कार्य का रोड मैप तैयार कर लिया है। इसको क्रमवार लागू करने के लिए सरकार कैबिनेट बैठक में मुहर भी लगाती है। योगी सरकार की कैबिनेट बैठक आज लाल बहादुर शास्त्री भवन (एनेक्सी) में सम्पन्न हो गई। इसमें दस में से नौ प्रस्ताव को हरी झंडी दी गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में लोक निर्माण विभाग नाबार्ड की आरआईडीएफ योजना के तहत वित्तपोषित की जाने वाली सड़कों के निर्माण के एस्टीमेट प्रस्तुत करते समय उसमे पांच सालों के रखरखाव की लागत को जोड़ने के प्रस्ताव को हरी झंडी दी गई। इसमें रखरखाव की लागत परियोजना लागत की अधिकतम 10 प्रतिशत होगी। इन मार्गों के वर्षवार रखरखाव की दरें विभागीय उच्च स्तरीय तकनीकी समिति समय-समय पर निर्धारित करेगी, जिसे लोक निर्माण विभागाध्यक्ष अनुमोदित करेंगे। साथ ही सहारनपुर में शेखपुरा कदीम मार्ग पर रेल सम्पार पर ओवर ब्रिज बनाने के प्रस्ताव पर सहमति बनी। यहां पर रेल सम्पार संख्या-84 को बंद करने के लिए सम्पार से 200 मीटर टपरी की तरफ नागल रजवाहे पर दो लेन रेलवे ओवरब्रिज बनेगा। इसके लिए सिंचाई विभाग की 18197.6 वर्ग मीटर जमीन लोक निर्माण विभाग को निशुल्क हस्तांतरित की जाएगी।

खन्ना ने बताया कि उत्तर प्रदेश दस लाख लीटर इथेनाल का प्रोडक्शन करेगा। कैबिनेट ने इथेनाल के उत्पादन को अनुमति दी है। साथ ही कैबिनेट ने विधानसभा समिति को मंजूरी दी, जिसके अध्यक्ष सुरेश कुमार खन्ना होंगे। इसके सदस्य बेबी रानी मौर्य, जयवीर सिंह तथा धर्मपाल सिंह हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर टोल सुरक्षा आदि से जुड़ा प्रस्ताव पास किया गया है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर टोल वसूलने और टोल प्लाजा के संचालन के लिए एजेंसी के चयन को अनुमोदन मिला है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे की निविदा से जुड़ा प्रस्ताव भी पास किया गया है। इसके तहत एक्सप्रेस वे पर छह एम्बुलेंस और 12 पेट्रोलिंग वाहन को मंजूरी दी गई है। बैठक में बेसिक अनुदेशकों को नौ हजार के वेतन का प्रस्ताव भी मंजूर किया गया है। पहले इनको सात हजार रुपया अनुदान मिलता था। अब दो हजार बढ़ाकर नौ हजार किया गया है। इसी तरह से रसोइया का वेतन 1500 से 2000 किया गया है। कैबिनेट में पीडब्ल्यूडी में अनुरक्षण से जुड़ा प्रस्ताव पास किया गया। साथ ही लखनऊ में पीजीआई के सामने की जमीन को चिकित्सा शिक्षा विभाग को ट्रांसफर करने के प्रस्ताव पर मुहर लगी है।

केशव मौर्य के बेटे ने मारपीट मामले की एफआईआर वापस ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» विधानसभा चुनाव के दौरान सपा कार्यकर्ताओं पर दर्ज कराई थी एफआईआर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बेटे योगेश मौर्य की कार में तोड़फोड़ करने और भाजपा कार्यकर्ताओं को पीटने के मामले में दर्ज कराई गई एफआईआर को अब योगेश मौर्य ने वापस लेने की बात कही है। योगेश मौर्य ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने मेरी कार में तोड़फोड़ की और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की थी। चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मैंने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई थी।

चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद सोशल मीडिया पर सपा कार्यकर्ताओं ने मुझे परेशान करना शुरू कर दिया, जिस वजह से मुझे एफआईआर करानी पड़ी। एफआईआर दर्ज होने के बाद योगेश मौर्य ने कहा कि मुझे पता चला कि इसमें कई गरीब लोग और छात्र/युवा शामिल थे। मैं इन छात्रों और गरीब लोगों का भविष्य खराब नहीं करना चाहता। इसलिए सिराथू के लोगों के लिए, मैंने अपनी शिकायत वापस लेने का फैसला किया है। चुनाव के दौरान मारपीट और लूट मामले में लगभग चालीस से अधिक लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है।

सरकार का एक्शन, पेपर लीक कांड में विनय कुमार सस्पेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा में पेपर लीक कांड में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की है। पांच दिन पहले ही निदेशक माध्यमिक शिक्षा के पद से हटाए गए विनय कुमार पाण्डेय को आज निलंबित कर दिया गया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के सरकारी महकमे में एक और बड़ी कार्रवाई की गई है।

निदेशक माध्यिक शिक्षा विनय कुमार पाण्डेय को आज निलंबित किया गया है। अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा अराधना शुक्ला ने बताया कि पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही पर मुख्यमंत्री के निदेश पर तत्कालीन शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) विनय पाण्डेय को निर्लंबित कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा निदेशक विनय पाण्डेय को बीती 21 अप्रैल को उनके पद से हटाकर साक्षरता वैकल्पिक शिक्षा उर्दू प्राच्य भाषाएं के निदेशक के पद पर भेजा गया था। उनके स्थान पर माध्यमिक शिक्षा निदेशक के पद का कार्यभार अपर परियोजना निदेशक सरिता तिवारी को सौंपा गया था। आराधना शुक्ला की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि अपर परियोजना निदेशक, राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ को अग्रिम आदेशों तक शिक्षा निदेशक माध्यमिक का कार्यभार अस्थायी रूप से प्रदान किया जाता है। उन्हें इसके लिए कोई अतिरिक्त वेतन व भत्ता आदि नहीं दिया जाएगा।

मंत्री आवास पर शिक्षक अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। शिक्षक अभ्यर्थियों ने अपनी मांगों को लेकर आज बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास पर धरना-प्रदर्शन किया। इस बीच प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को पुलिस ने काफी समझाने बुझाने की कोशिश की, लेकिन जब वे नहीं माने तो पुलिस ने अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया।

फोटो: सुमित कुमार

तिहरे हत्याकांड का आरोपित पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कर्मस्थली गोरखपुर में देर रात एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या के आरोपितों पर पुलिस का शिकंजा कस गया है। इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपित आलोक पासवान को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी थी, जवाबी फायरिंग में गोली उसके दाहिने पैर में लगी है। गोरखपुर में ट्रिपल मर्डर के मुख्य आरोपित आलोक पासवान को पुलिस ने आज तड़के मुठभेड़ के बाद पकड़ा है। मुठभेड़ में गोली लगने से घायल आलोक पासवान को पहले संतकबीर नगर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां से उसको बीआरडी मेडिकल कालेज रेफर किया गया है। पकड़े जाने के बाद उसने पुलिस का असलहा छीनकर भागने का प्रयास किया। इस दौरान उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। इसके बाद जवाबी फायरिंग में गोली लगी है। गोरखपुर के रायगंज में कल तीन लोगों की हत्या हुई थी।

दिल्ली-पंजाब के बीच हुआ नॉलेज शेयरिंग एग्रीमेंट

» केजरीवाल ने नॉलेज शेयरिंग एग्रीमेंट को बताया ऐतिहासिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली और पंजाब सरकार के बीच आज नॉलेज शेयरिंग को लेकर समझौता हो गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान ने नॉलेज शेयरिंग एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए। इस बीच दोनों ने साझा पीसी की। पीसी में केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में शिक्षा समेत अन्य क्षेत्रों में अच्छा काम हुआ है ऐसे ही पंजाब में भी होगा।

केजरीवाल ने कहा कि नॉलेज शेयरिंग एग्रीमेंट भारत के इतिहास में एक अनूठी घटना है। सरकारें नॉलेज शेयरिंग के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर कर रही हैं। हमारा लक्ष्य एक दूसरे से सीखना और आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा जिस प्रकार से दिल्ली में काम हुआ, उससे सीख कर पंजाब में भी काम हो। पंजाब के अंदर भी बहुत अच्छे काम हुए हैं और आगे भी होंगे, उन्हें सीख कर दिल्ली में भी लागू किया जाएगा। हमारा मानना है कि हम एक-दूसरे से सीखकर आगे बढ़ सकते हैं। हम सब मिलकर तरक्की करेंग नॉलेज शेयरिंग एग्रीमेंट भारत के इतिहास में एक मील का पत्थर है। वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि अच्छा ज्ञान कहीं से भी मिले सीख लेना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।